भारत और स्वीडन के बीच उद्योग संक्रमण वार्ता

प्रिलिम्स के लिये:

'स्टॉकहोम+50', लीडआईटी, COP27, यूएन क्लाइमेट एक्शन समिट, यूएनईपी।

मेन्स के लिये:

भारत-स्वीडन संबंध, द्विपक्षीय समूह और समझौते, समूह और समझौते भारत को शामिल करते हैं और/या भारत के हितों को प्रभावित करते हैं।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत और स्वीडन ने अपनी संयुक्त पहल **'लीडरशिप फॉर इंडस्ट्री ट्रांज़िशन' (LeadIT) के** एक भाग के रूप में स्टॉकहोम में **उद्योग संक्रमण वार्ता की मेज़बानी की।**

- इस उच्च स्तरीय संवाद ने संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन '[स्टॉकहोम+50]' में योगदान दिया है, साथ ही COP-27 (जलवायु परिवर्तन) के लिये एजेंडा निर्धारित किया है।

लीडआईटी:

- **परिचय :**
  - **लीडआईटी** पहल उन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देती है जो वैश्विक जलवायु कार्रवाई में प्रमुख हितधारक हैं और जहाँ विशिष्ट हस्तक्षेप की आवश्यकता है।
  - यह उन देशों और कंपनियों को संगठित करता है जो [पेरिस समझौते] को हासिल करने एवं कार्रवाई के लिये प्रतिबद्ध हैं।
  - इसे वर्ष 2019 के [संयुक्त राष्ट्र जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन] में **स्वीडन और भारत** की सरकारों द्वारा लॉन्च किया गया था और यह [विश्व आर्थिक मंच] द्वारा समर्थित है।
  - **लीडआईटी के** सदस्य इस विचार को बढ़ावा देते हैं कि वर्ष 2050 तक ऊर्जा-गहन उद्योगों में निम्न-कार्बन उत्सर्जन के उपायों को अपनाकर [शुद्ध-शून्य कार्बन उत्सर्जन] प्राप्त करने के लक्ष्यों की पूर्ति की जा सकती है।
- **सदस्य संख्या:**
  - लीडआईटी में देशों और कंपनियों को मिलाकर कुल 37 सदस्य हैं।
    - जापान और दक्षिण अफ्रीका, इस पहल के नवीनतम सदस्य हैं।

भारत-स्वीडन संबंध

- **राजनीतिक संबंध:**
  - **वर्ष 1948 में राजनयिक संबंध** स्थापित हुए और दशकों से लगातार मज़बूत स्थिति में हैं।
  - **पहला भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन** (भारत, स्वीडन, नॉर्वे, फिनलैंड, आइसलैंड और डेनमार्क) वर्ष 2018 में स्वीडन में आयोजित किया गया था।
  - स्वीडन ने नवंबर 2020 में भारत की सह-अध्यक्षता में प्रथम भारत-नॉर्डिक-[बाल्टिक] (एस्टोनिया, लातविया और लिथुआनिया सहित) कॉन्क्लेव में भी भाग लिया।
- **बहुपक्षीय जुड़ाव:**
  - भारत और स्वीडन ने संयुक्त रूप से वर्ष 2019 में **संयुक्त राष्ट्र जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन** में [वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम] **(WEF)** के सहयोग से **लीडरशिप ग्रुप ऑन इंडस्ट्री ट्रांज़िशन (LeadIT)** लॉन्च किया।
  - 1980 के दशक में भारत और स्वीडन ने **'सिक्स नेशन पीस समिट'** (जिसमें अर्जेंटीना, ग्रीस, मैक्सिको और तंजानिया भी शामिल थे) के फ्रेमवर्क के अंतर्गत **परमाणु निरस्त्रीकरण** के मुद्दों पर एक साथ काम किया।
  - **संयुक्त राष्ट्र महासभा** में **भारत और स्वीडन मानवीय मामलों पर एक वार्षिक संयुक्त वक्तव्य प्रस्तुत** करते हैं।

- वर्ष 2013 में स्वीडिश प्रेसीडेंसी के दौरान भारत किरुना मंत्रिस्तरीय बैठक में एक पर्यवेक्षक के रूप में **आर्कटिक परिषद** में शामिल हुआ।
- **आर्थिक और वाणिज्यिक संबंध:**
    - एशिया में चीन तथा जापान के बाद **भारत, स्वीडन का तीसरा सबसे बड़ा व्यापार साझेदार (Trade Partner)** है।
    - **वस्तुओं और सेवाओं का व्यापार** 3 बिलियन अमेरिकी डॉलर (2016) से बढ़कर 4.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर (2019) हो गया है।
- **रक्षा और एयरोस्पेस (स्वीडन-भारत संयुक्त कार्य योजना 2018):** यह अंतरिक्ष अनुसंधान, प्रौद्योगिकी, नवाचार और अनुप्रयोगों के क्षेत्र में सहयोग पर प्रकाश डालता है।

//

आगे की राह

- यूरोपीय संघ का सदस्य होने के नाते स्वीडन यूरोपीय संघ और यूरोपीय संघ के देशों के साथ भारत की साझेदारी में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।
- सामरिक जुड़ाव, द्विपक्षीय व्यापार और निवेश परिदृश्यों से पारस्परिक रूप से लाभकारी पद्धति के तहत साझा आर्थिक प्रगति को बढ़ावा मिलने की संभावना है।

स्रोत पीआईबी

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/industry-transition-dialogue-between-india-and-sweden